कार्यालय प्राचार्य
स्व. डारन बाई तारम शासकीय महाविद्यालय गुरूर
जिला – बालोद, छ.ग, भारत
(हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत से संबद्ध)
Ph No : 07749 – 265461 Email : gururgovernmentcollege@gmail.com Website : gcgurur.org.in

Geography students were given a geographical tour of Bastar by the Geography Department.
(05.01.23)

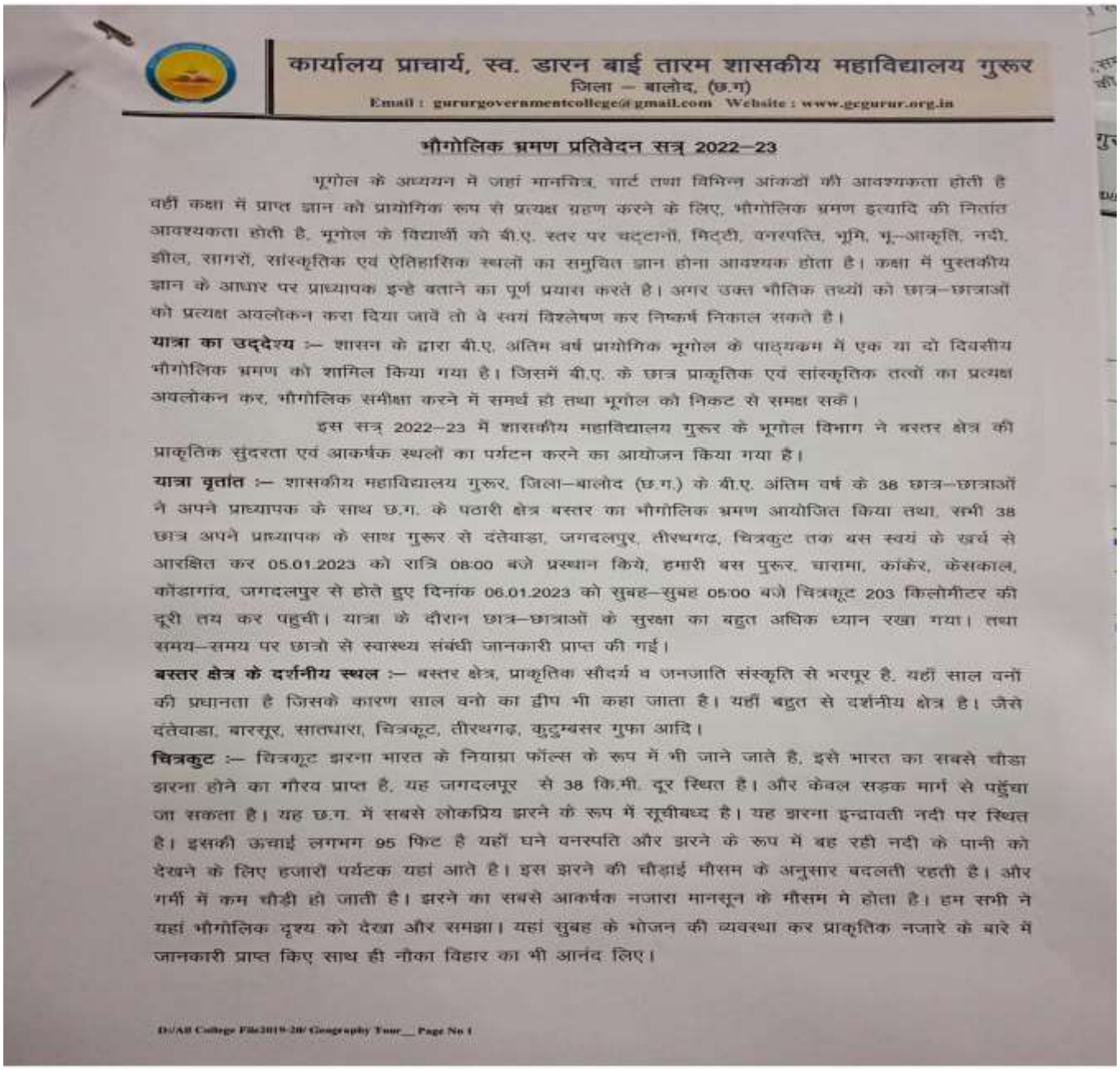

कार्यालय प्राचार्य, स्व. डारन बाई तारम शासकीय महाविद्यालय गुरूर
जिला – बालोद, (छ.ग)
Email : gururgovernmentcollege@gmail.com Website : www.gcgurur.org.in

भौगोलिक भ्रमण प्रतिवेदन सत्र 2022–23

भूगोल के अध्ययन मे जहां मानचित्र, चार्ट तथा विभिन्न आंकडों की आवश्यकता होती है वहीं कक्षा में प्राप्त ज्ञान को प्रायोगिक रूप से प्रत्यक्ष ग्रहण करने के लिए, भौगोलिक भ्रमण इत्यादि की नितांत आवश्यकता होती है, भूगोल के विद्यार्थी को बी.ए. स्तर पर चट्टानों, मिट्टी, वनस्पति, भूमि, भू–आकृति, नदी, झील, सागरों, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का समुचित ज्ञान होना आवश्यक होता है। कक्षा में पुस्तकीय ज्ञान के आधार पर प्राध्यापक इन्हे बताने का पूर्ण प्रयास करते है। अगर उक्त भौतिक तथ्यों को छात्र–छात्राओं को प्रत्यक्ष अवलोकन करा दिया जावे तो वे स्वयं विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाल सकते है।

यात्रा का उद्देश्य :– शासन के द्वारा बी.ए. अंतिम वर्ष प्रायोगिक भूगोल के पाठ्यक्रम में एक या दो दिवसीय भौगोलिक भ्रमण को शामिल किया गया है। जिसमें बी.ए. के छात्र प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर, भौगोलिक समीक्षा करने में समर्थ हो तथा भूगोल को निकट से समझ सकें।

इस सत्र 2022–23 में शासकीय महाविद्यालय गुरूर के भूगोल विभाग ने बस्तर क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता एवं आकर्षक स्थलों का पर्यटन करने का आयोजन किया गया है।

यात्रा वृत्तांत :– शासकीय महाविद्यालय गुरूर, जिला–बालोद (छ.ग.) के बी.ए. अंतिम वर्ष के 38 छात्र–छात्राओं ने अपने प्राध्यापक के साथ छ.ग. के पठारी क्षेत्र बस्तर का भौगोलिक भ्रमण आयोजित किया तथा, सभी 38 छात्र अपने प्राध्यापक के साथ गुरूर से दंतेवाड़ा, जगदलपुर, तीरथगढ़, चित्रकुट तक बस स्वयं के खर्च से आरक्षित कर 05.01.2023 को रात्रि 08:00 बजे प्रस्थान किये, हमारी बस गुरूर, चारामा, कांकेर, केसकाल, कोंडागांव, जगदलपुर से होते हुए दिनांक 06.01.2023 को सुबह–सुबह 05:00 बजे चित्रकूट 203 किलोमीटर की दूरी तय कर पहुची। यात्रा के दौरान छात्र–छात्राओं के सुरक्षा का बहुत अधिक ध्यान रखा गया। तथा समय–समय पर छात्रो से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की गई।

बस्तर क्षेत्र के दर्शनीय स्थल :– बस्तर क्षेत्र, प्राकृतिक सौदर्य व जनजाति संस्कृति से भरपूर है, यहाँ साल वनों की प्रधानता है जिसके कारण साल वनो का द्वीप भी कहा जाता है। यहीं बहुत से दर्शनीय क्षेत्र है। जैसे दंतेवाडा, बारसूर, सातधारा, चित्रकूट, तीरथगढ़, कुटुम्बसर गुफा आदि।

चित्रकुट :– चित्रकूट झरना भारत के नियाग्रा फॉल्स के रूप में भी जाने जाते है, इसे भारत का सबसे चौडा झरना होने का गौरव प्राप्त है, यह जगदलपुर से 38 कि.मी. दूर स्थित है। और केवल सड़क मार्ग से पहुँचा जा सकता है। यह छ.ग. में सबसे लोकप्रिय झरने के रूप में सूचीबध्द है। यह झरना इन्द्रावती नदी पर स्थित है। इसकी ऊचाई लगभग 95 फिट है यहाँ घने वनस्पति और झरने के रूप में बह रही नदी के पानी को देखने के लिए हजारों पर्यटक यहां आते है। इस झरने की चौड़ाई मौसम के अनुसार बदलती रहती है। और गर्मी में कम चौड़ी हो जाती है। झरने का सबसे आकर्षक नजारा मानसून के मौसम मे होता है। हम सभी ने यहां भौगोलिक दृश्य को देखा और समझा। यहां सुबह के भोजन की व्यवस्था कर प्राकृतिक नजारे के बारे में जानकारी प्राप्त किए साथ ही नौका विहार का भी आनंद लिए।

जगदलपुर :– यह बस्तर जिला का जिला मुख्यालय है यहां अनेक दर्शनीय स्थल है जैसे कि दलपत सागर, दंतेश्वरी मंदिर, राजकीय महल आदि लेकिन यहा रात्रिकालीन एवं समय अभाव होने के कारण केवल दंतेश्वरी मंदिर का ही दर्शन कर पाये साथ ही सभी विद्यार्थी एवं शिक्षकगण भोजन कर यहा से अपने निवास स्थल गुरूर के लिए प्रस्थान किए तथा सुबह 06 बजे हमारी बस महाविद्यालय पहुंच गई एवं सभी छात्र–छात्राएं अपने–अपने परिजन के साथ प्रस्थान किया।

इस सभी स्थानों को देखने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान जाते समय हमने कई नदी, वन, रॉक पेंन्टिग स्थल स्वरूप के स्थल भी देखें। समय के अभाव के कारण अधिक स्थानों का अवलोकन नहीं कर पाये।

निष्कर्ष:– इस भौगोलिक भ्रमण के दौरान हमने प्राकृतिक स्थलों को देखा और उनकी बनने की प्रकिया भी जानी। जल प्रपात, जलस्त्रोत, गुफाएं, चट्टान, कार्स्ट स्थल स्वरूप आदि को प्राकृतिक रूप में देखा साथ ही उनका निर्माण किस प्रकार होता है उसे समझा वहॉ की जनजातियों के रहन सहन व संस्कृति को देखा व समझा वहॉ कि विभिन्न प्रकार की जड़ी–बूटीयों को देखा, यह पर्यटन सही रूप में भौगोलिक ज्ञान प्रदान करने वाला रहा।

Principal
Govt. College, Gurur
Dist. - Balod (C.G.)

HEAD
Deptt. of Geography
Govt. College, Gurur
Distt. Balod (C.G.)

Co-ordinator
IQAC
Government College Gurur
Dist. Balod (C.G.)

स्वरूप है। यह गुफा पूरी तरह से प्राकृतिक हैं परंतु देखने पर लगता है कि मानव क द्वारा नक्कासी की गयी हो। यहाँ छात्रों के द्वारा प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया तथा जानकारी भी बतायी गई कि किस प्रकार कार्स्ट स्थल स्वरूप का निर्माण भूमिगत जल द्वारा होता है यह दृश्य बहुत ही रोमांचकारी रहा। तबतक सूरज अस्त हो चुका था तथा हम सभी अंतिम दर्शनीय स्थल जगदलपुर पहंचे।

तीरथगढ़ :– तीरथगढ़ जगदलपुर की दक्षिण–पश्चिम दिशा में 35 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यहां प्रसिद्ध जलप्रपात स्थित है। जो कि बहुत ही मनमोहक है। यह झरना मुनगा बहार नदी पर स्थित है। यह छ.ग. की सबसे ऊंचा जल प्रपात है इसकी ऊचाई 300 फिट है। यहां देश के कोने–कोने से लोग आते है। यहा हम सभी 11 बजे के आस पास पहुचे तथा यहां के मनोरम दृश्य को देखा।

कैलाश गुफा :– यह गुफा भी छ.ग. के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। जो कि जगदलपुर से 40 कि. मी. दूर स्थित है। इसकी गहरायी 35 मीटर तथा लंम्बाई 250 मीटर है। इस गुफा में बहुत सारे शिवलिंग पाये जाने के कारण इसे कैलाश गुफा कहा जाता है। यह कुछ–कुछ कुटुम्बसर गुफा जैसा लगता है। इसकी खोज 22 मार्च 1993 में किया गया। यहॉ स्टेलेक्टाइट, स्टैलेग्माइट, स्तंभ देखे जा सकते है । जोकि कार्स्ट स्थल

दंतेवाडाः— दंतेवाड़ा छ.ग. का प्रसिद्ध दार्शनिक स्थल क्षेत्र है। यह क्षेत्र स्थानीय देवी मां दंतेश्वरी देवी के नाम पर पड़ा है। इसकी स्थिति 18^0 54' उत्तर से 18^0 9' उत्तर व 81^0 21' से 81^0 35' पूर्वी देशांतर पर स्थित है। यहा प्रसिद्ध दंतेश्वरी मंदिर है। छिंदक नाग वंशी राजा अन्नमदेव ने मंदिर का निर्माण कराया था। देश विदेश से लोग यहाँ पर्यटन करने आते है यहा से सभी टीम सुबह तीरथगढ़ के लिए (दिनांक 07.01.2023) दूसरे दिन रवाना हुए।

सातधारा :– इस जलप्रपात में इन्द्रावती नदी सात धाराओं में बंट जाती है यह बहोत ही खुबसूरत एवं मनमोहक है यह भी बारसूर में स्थित है। यह सातधाराओं में इस प्रकार बटी हुई है 01 कृष्ण धारा 02 पाण्डव धारा 03 प्राड धारा 04 बौद्ध धारा 05 कपिल धारा 06 शिव धारा 07 सुचित्र धारा इस प्रकार इसका नाम सातधारा पडा यह गोदावरी नदी की सहायक नदी है यहा पर छात्र–छात्राएं आनंद के साथ–साथ यहा के बारे में जानकारी भी प्रदान करायी गई तथा इसके बाद दंतेवाडा की ओर प्रस्थान किए साथ ही रात्रिकालीन विश्राम शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दंतेवाडा में किया गया। तथा रात्रि के समय ही दंतेश्वरी मां का दर्शन करने के लिए निकल पडे।

बारसूर :– चित्रकूट के बाद हम सभी बारसूर की ओर प्रस्थान किए बारसूर छ.ग. के दन्तेवाडा जिले में स्थित एक गांव है जो जिला मुख्यालय से 34 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। बारसूर नाग राजाओं एवं काकतीय राजाओं की राजधानी रही है यहा बहुत से प्रसिद्ध मंदिर है जैसे – मामा–भाचा, गणेश आदि मंदिर है लेकिन समय अभाव के कारण केवल गणेश मंदिर का ही दर्शन करने के उपरान्त जानकारी प्राप्त हुआ कि यह मंदिर की गणेश प्रतिमा दुनिया की सबसे विशाल प्रतिमा में से एक है तत्पश्चात यहा से सातधारा जलप्रपात की ओर प्रस्थान किए।

Co-ordinator
IQAC
Government College Gurur
Dist. Balod (C.G.)

Principal
Govt. College, Gurur
Dist. - Balod (C.G.)